Dainik Jagran | 21.2.19 | M.A

साहित्य अकादमी ने आयोजित किया युवा लेखक सम्मिलन

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : साहित्य अकादमी की ओर से बुधवार को युवा लेखक सम्मिलन का आयोजन किया गया। इसमें उत्तर भारत की विभिन्न भाषाओं के युवा रचनाकारों ने कहानी का पाठ किया।

कार्यक्रम के आरंभ में प्रख्यात आलोचक एवं साहित्य अकादमी के महत्तर सदस्य डॉ.नामवर सिंह के निधन पर शोक प्रकट करते हुए एक मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इसके बाद प्रख्यात हिंदी लेखिका ममता कालिया ने कहा कि युवा पीढ़ी को अपने वरिष्ठ रचनाकारों को पढ़कर अवश्य प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में युवा लेखकों को तकनीक का साथ भी मिला है, उन्हें इसका सदुपयोग करना चाहिए। हिंदी परामर्श मंडल के संयोजक चितरंजन मिश्र ने कहा कि युवा रचनाशीलता को सुनने, सराहने और प्रोत्साहित करने के लिए ऐसे प्रयास सराहनीय हैं।

सम्मिलन के पहले सत्र में अभिराज राजेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में सुनील कुमार (डोगरी), बृहस्पति भट्टाचार्य (संस्कृत), शादाब रशीद (उर्दू), सुधा सारस्वत (राजस्थानी) तथा द्वितीय सत्र में संयुक्ता दास गुप्ता की अध्यक्षता में प्रगट सिंह सतौज (पंजाबी), वाशिमा जैन (अंग्रेजी) और सिनीवाली (हिंदी) ने कहानियों का पाठ किया।

इस अवसर पर साहित्य अकादमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक, सचिव के. श्रीनिवास राव समेत साहित्य क्षेत्र के कई दिग्गज मौजूद रहे।